# प्रशिक्षण कैलेण्डर 2017-18

## मैनज - एक परिचय

तेजी से बढ़ती हुई उन्नति तथा कृषि क्षेत्र की भिन्नताओं में कृषि विस्तार की चुनौतियों की प्रतिक्रिया के रूप में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन के रूप में 1987 में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) की स्थापना हुई। देश में कृषि विस्तार प्रणाली क पुनर्जीवित एवं  धुनिकीकरण करने की दिशा में कृषि प्रौद्य गिकियों की बढ़ती हुई क्लिष ताओं के साथ-साथ कृषि में वाणिजय तथा विपणन उन्मुखीकरण पर बढ़ते फ क्स पर मुख्य पहल की माँग की है। कृषि विस्तार प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए केन्द्र, राज्य, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के संगठनों की सहायता  करना मैनेज का अधिदेश है।

मैनेज के मुख्य क्रियाकलाप निम्न विषय  धारित केन्द्रों एवं एक कृषि व्यापार प्रबंधन स्कूल के माध्यम से चलाये जाते हैं।

- कृषि विस्तार नीति का केन्द्र
- कृषि विस्तार नवा न्मेशन तथा सुधार का केंद्र
- कृषि-संस्थान क्षमता निर्माण का केंद्र
- कृषि बाजार,  पूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तथा विस्तार परिया जना का केंद्र
- संबंधित विस्तार प्रबंध का केंद्र
-  ईसी ी, मास मीडीया तथा ज्ञान प्रबंधन का केंद्र
- कृषि उद्यमिता, युवावर्ग तथा सरकारी निजी भागीदारीता का केंद्र
- महिला व घरेलु खाद्य एवं पौष्ि क सुरक्षा, शहरी कृषि तथा हरी सब्जियों की उपज का केंद्र
- कृषि संबंधी अध्ययन, लाभवंचित क्षेत्र, प्राकृतिक संसाधन प्रबंध विस्तार तथा सामाजिक जु ाव का केंद्र
- कृषि व्यवसाय प्रबंधन विद्यालय

## सेवाएँ

चुनिंदा केंद्रीय क्षेत्र की स्कीमों क लागू करने के अलावा मैनेज प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्शी, प्रबंधन शिक्षा में अपनी सेवाएँ प्रदान करता है। मैनेज के कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप इसके सभी हितधारकों क कवर करता है यथा, सार्वजनिक व निजी संगठन, स्वैच्छिक संगठन, किसानों क समूह तथा संगठन, निजी विस्तार सेवा प्रदाता, कृषि व्यापार कंपनियाँ एवं सहकारी समितियाँ एवं राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संगठन।

प्रशिक्षण संस्थान का वश्यक एकीकृत अंश है। राज्य कृषि विभाग में कार्यरत विस्तार पदाधिकारी बागवानी, पशुपालन एवं पशु चिकित्सक विज्ञान, मत्स्य पालन, रेशम उत्पाद निजी क्षेत्र के कार्यकारी के साथ-साथ राज्य विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक के लिए चयनित विषयगत क्षेत्रों पर मैनेज जरूरत पर धारित प्रशिक्षण प्रदान करता है।

नई चुनौतियों से सामना करने एवं सरकार के विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यन्वयन के लिए विस्तार पदाधिकारियों क तैयार करने हेतु प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला एवं सेमिनार का योजन किया जाता है। भारत सरकार/ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश एवं निजी क्षेत्र के अनुरध पर मैनज वश्यकतानुसार कार्यक्रमों का यजन करता है। निजी क्षेत्रों के कार्यकारियों क मैनेज के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शुल्क भुगतान के धार पर भाग लेने हेतु प्रत्साहित किया जाता है।

## I. ऑन कैं□स प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाए□

### अप्रैल 2017

| क्र.स□ | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | मृदा स्वास्थ्य प्रबंध एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड या□जना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | 18-20 अप्रैल, 2017 | डॉ. ए. अमरेन्दर रेड्डी |
| 2 | कृषि विस्तार सेवाओं क□ बेहतर बनाना | 19-21 अप्रैल, 2017 | डॉ. सरवणन राज |
| 3 | हाल ही में भर्ती हुये सहायक पशुचिकित्सकों के लिए पशुसंपदा विकास हेतु विस्तार प्रबंधन अभिगम पर प्रारम्भिक प्रशिक्षण कार्यक्रम | अप्रैल, 2017 | डॉ. एम.ए.करीम और<br>डॉ. शाहजी फंड |

### मई 2017

| क्र.स□ | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | उद्यानिकी विभाग, उड़ीशा राज्य के नव नियुक्त अधिकारियों के लिए विस्तार प्रबंध पर प्रारम्भिक प्रशिक्षण कार्यक्रम | 1-5 मई, 2017 | डॉ वी.पी. शर्मा |
| 2 | किसानों क□ बारजारों से जो□ने के लिए विस्तार रणनीतियाँ | 2-4 मई, 2017 | डॉ. बी.के. पती |
| 3 | कृषि नवा□म्मेशन व्यवस्था : बहु - हितधारी भागीदारिता एवं विस्तार में एकरूपता | 3-5 मई, 2017 | डॉ. सरवणन राज |
| 4 | मृदा स्वास्थ्य प्रबंध एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड या□जना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | 15-17 मई,2017 | डॉ. ए. अमरेन्दर रेड्डी |
| 5 | कृषि में ई-गवर्नेन्से क□ बढ़ाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | 16-18 मई, 2017 | डॉ के.वेंक□श्वर राव |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6 | एग्री-क्लीनिक्स एवं एग्री-बिजिनेस केंद्र याजना एवं उसके निर्देशसूत्र पर नाडल प्रशिक्षण संस्थानों के लिए कार्यशाला | 25-26 मई, 2017 | डॉ पी. कनका दुर्गा |
| 7 | त्मा में अभिसरण क बढ़ावा देने हेतु परियाजना निदेशकों के लिए भारत सरकार की याजनाओं पर पूर्वाभिमुखीकरण | 29-31 मई, 2017 | डॉ. पी.एल. मनाहरी और डॉ.पी. चंद्रशेखरा |
| 8 | हाल ही में भर्ती हुये सहायक पशुचिकित्सकों के लिए पशुसंपदा विकास हेतु विस्तार प्रबंधन अभिगम पर प्रारम्भिक प्रशिक्षण कार्यक्रम | मई, 2017 | डॉ. एम.ए.करीम और डॉ. शाहजी फंड |

## जून 2017

| क्र.स | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | छत पर / पिछवाड़े में गार्डेनिंग | 1 जून,2017 | डॉ के. उमा रानी |
| 2 | किसान उत्पादक संगठनों क बढ़ावा देना : मुद्दे और चुनौतियां | 6-8 जून,2017 | डॉ के.सि. गुम्मगालमथ |
| 3 | कृषि विस्तार: उत्तम अभ्यास और नवन्मेशन | 7-9 जून, 2017 | डॉ सरवणन राज |
| 4 | स्थापित एग्रीप्रेन्यूरों के लिए एग्रीबीजिनेस, कृषि सलाहकारी सेवा तथा मार्के लिंकेज पर कार्यक्रम | 6-9 जून, 2017 | डॉ बी. वेंक राव |
| 5 | विश्व व्यापार संगठन के तहत कृषि के लिए अवसर खोजना | 12-15 जून, 2017 | डॉ के. नंद रेड्डी |
| 6 | मध्यस्तरीय अधिकारियों के लिए विस्तार प्रबंध कौशल | 13-16 जून, 2017 | डॉ जी. जया |
| 7 | वरिष्ठ अधिकारियों के लिए परियोजना प्रबंध कौशल | 14-16 जून, 2017 | श्री जी. भास्कर |
| 8 | महिलाओं क कृषि की मुख्यधारा में लाने के लिए विस्तार रणनीतियां | 19-21 जून, 2017 | डॉ के. उमा रानी |
| 9 | कृषि विकास का परिणाम धारित निगरानी और मूल्यांकन | 19-21 जून, 2017 | डॉ. ए. अमरेन्दर रेड्डी |
| 10 | देसी पर संवेदीकरण के लिए फेसिलिटेरों का प्रशिक्षण | 20-22 जून, 2017 | डॉ एन.बालसुब्रमणि |
| 11 | मृदा स्वास्थ्य प्रबंध एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | 27-29 जून, 2017 | डॉ. ए. अमरेन्दर रेड्डी |
| 12 | फीड दी फ्यूचर पर अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी सम्मेलन - भारत त्रिकोणीय प्रशिक्षण | 28 जून-1 जुलाई, 2017 | डॉ.पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |

## जुलाई 2017

| क्र.स□ | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | सरकारी विस्तार के लिए कॉर्पोरे□ साशल रेस्प□न्सिबिलि□ी पर कार्यशाला | 4-5 जुलाई, 2017 | डॉ एन.बालसुब्रमणि |
| 2 | कृषि एवं तत्संबंधी क्षेत्रों में □ पूर्ती श्रुंखला प्रबंध पर विस्तार कौशल | 3-5 जुलाई, 2017 | डॉ बी. वेंक□ राव |
| 3 | विस्तार प्लस :तकनीकी अंतरण से परे के अभ्यास | 5-7 जुलाई, 2017 | डॉ सरवणन राज |
| 4 | विस्तार अधिकारियों के लिए लेखन एवं प्रलेखन कौशल | 11-14 जुलाई, 2017 | डॉ. लक्ष्मी मूर्ती |
| 5 | कृषि ज्ञान प्रबंध | 17-19 जुलाई, 2017 | डॉ के.वेंक□श्वर राव |
| 6 | शहरी खाद्य उत्पादन - खाद्य सुरक्षा | 17-19 जुलाई, 2017 | डॉ एन.बालसुब्रमणि |
| 7 | उद्यानिकी विभाग, उड़ीशा राज्य के नव नियुक्त अधिकारियों के लिए विस्तार प्रबंध पर प्रारम्भिक प्रशिक्षण कार्यक्रम | 17-21 जुलाई, 2017 | डॉ जी. जया |
| 8 | विस्तार में डिजि□ल मीडिया नवाचार | 26-28 जुलाई, 2017 | डॉ सरवणन राज |
| 9 | सतत कृषि के लिए वर्षाधारित उत्पादन व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण | 25-28 जुलाई, 2017 | डॉ. के. साई महेश्वरी |

## अगस्त 2017

| क्र.स | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | कृषि नीति, कृषि विकास कार्यक्रमों की निगरानी एवं मूल्यांकन पर एफ ी एफ  ई ी ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 1-15 अगस्त, 2017 | डॉ.पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |
| 2 | किसानों क बाजार से जाड़ने के लिए विस्तार रणनीतियां | 2-4 अगस्त, 2017 | डॉ. बी.के. पती |
| 3 | कृषि में सतत उत्पादन व्यवस्था के लिए जलवायु परिवर्तन प्रबंध | 16-18 अगस्त, 2017 | डॉ एन.बालसुब्रमणि |
| 4 | सतत कृषि के लिए वर्षाधारित उत्पादन व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण | 16-19 अगस्त , 2017 | डॉ बी. रेणुका रानी |
| 5 | स्थापित एग्रीप्रेन्यूरों के लिए कृषि उत्पादनों में मूल्य जाड़ के लिए अवसरों पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 21-24 अगस्त , 2017 | डॉ बी. वेंक राव |
| 6 | प्रशिक्षण के भागीदारी विधियों पर प्रशिक्षक प्रशिक्षण | 21-24 अगस्त , 2017 | डॉ के.  नंद रेड्डी |
| 7 | सतत कृषि के लिए वर्षाधारित उत्पादन व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रशिक्षक प्रशिक्षण | 28-30 अगस्त , 2017 | डॉ बी. रेणुका रानी |
| 8 | कृषि विस्तार में सरकारी-निजी भागीदारिता | 28-31 अगस्त , 2017 | डॉ पी. कनका दुर्गा |
| 9 | ी ओ ी/ फेसिलिटेरों का चयन कार्यक्रम | 28 अगस्त - 1 सितंबर, 2017 | डॉ जी. जया और डॉ वी.पी. शर्मा |

## सितबर 2017

| क्र.स□ | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | कृषि विस्तार के लिए □ ई सी □ीयों क□ मार्गनिर्देशित करना | 4-7 सितंबर, 2017 | डॉ सरवणन राज |
| 2 | डिजि□ल मीडिया के लिए लेखन कौशल | 5-8 सितंबर, 2017 | डॉ. लक्ष्मी मूर्ती |
| 3 | कृषि एवं तत्संबंधी क्षेत्रों में □ पूर्ती श्रंखला प्रबंध के लिए विस्तार कौशल | 5-8 सितंबर, 2017 | डॉ बी. वेंक□ राव |
| 4 | कृषि पर एच □ र के लिए एम डी पी | 11-14 सितंबर, 2017 | डॉ वी.पी. शर्मा |
| 5 | महिला विस्तार कर्मियों के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रम | 12-14 सितंबर, 2017 | डॉ के. उमा रानी |
| 6 | जलवायु स्मा□ □ जीविका अवसर क□ बढ़ावा देने हेतु विस्तार रणनीतियाँ | 12-14 सितंबर, 2017 | डॉ. पी.एल. मन□हरी |
| 7 | देसी पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 18-19 सितंबर, 2017 | डॉ एन.बालसुब्रमणि और डॉ के. उमा रानी |
| 8 | ई - विस्तार पर प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम | 18-21 सितंबर, 2017 | श्री जी. भास्कर |
| 9 | जल प्रबंध के लिए विस्तार अभिगम | 18-21 सितंबर, 2017 | डॉ बी. रेणुका रानी |

## अक्तूबर 2017

| क्र.सं□ | कार्यक्रम का नाम | दिनांक | कार्यक्रम संयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | पशुपालन के माध्यम से सतत □ जीविका के लिए विस्तार प्रबंध | 3-6 अक्तूबर, 2017 | डॉ. शाहजी फंड और डॉ. एम.ए.करीम |
| 2 | देसी पर संवेदीकरण पर फेसिलि□□रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम | 4-6 अक्तूबर, 2017 | डॉ एन.बालसुब्रमणि |
| 3 | इंक्लूसिव ग्र□थ के लिए विकास, नियो□जन एवं कार्यान्वयन | 4-6 अक्तूबर, 2017 | डॉ. ए. अमरेन्दर रेड्डी |
| 4 | किसान कल्याण पर कृषि विकास कार्यक्रमों का प्रभाव | 9-10 अक्तूबर, 2017 | डॉ. ए. अमरेन्दर रेड्डी |
| 5 | किसानों क□ बाजारों से ज□ड़ने के लिए विस्तार रणनीतियां | 9-11 अक्तूबर , 2017 | डॉ. बी.के. पती |
| 6 | उद्यानिकी विभाग, उड़ीशा राज्य के नव नियुक्त अधिकारियों के लिए विस्तार प्रबंध पर प्रारम्भिक प्रशिक्षण कार्यक्रम | 9-13 अक्तूबर, 2017 | डॉ वी.पी. शर्मा |
| 7 | □ त्मा में अभिसरण क□ बढ़ावा देने हेतु परिय□जना निदेशकों के लिए भारत सरकार की य□जनाओं पर पूर्वाभिमुखीकरण | 23-25 अक्तूबर , 2017 | डॉ. पी.एल. मन□हरी और डॉ.पी. चंद्रशेखरा |
| 8 | उद्यानिकी विभाग, उड़ीशा राज्य के नव नियुक्त अधिकारियों के लिए विस्तार प्रबंध पर प्रारम्भिक प्रशिक्षण कार्यक्रम | 23-27 अक्तूबर, 2017 | डॉ जी. जया |
| 9 | कृषि ज्ञान प्रबंध | 24-27 अक्तूबर, 2017 | श्री जी. भास्कर |

## नवबर 2017

| क्र.स□ | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सम्रोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | मैनज 30: युवा कृषि विस्तार व्यवसायिकों क□ कुशल बनाना | 1-30 नवंबर, 2017 | डॉ सरवणन राज |
| 2 | इंक्लूसिव ग्र□थ के लिए किसान उत्पादन समूहों से लाभ उठाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 6-7 नवंबर, 2017 | डॉ के.सि. गुम्मग□लमथ |
| 3 | स्थापित एग्रीप्रेन्यूरों के लिए फार्म यांत्रिकीकरण पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 6-9 नवंबर, 2017 | डॉ सरवणन राज |
| 4 | कृषि में ई-गवर्नेन्स की सुधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | 13-15 नवंबर, 2017 | डॉ के.वेंक□श्वर राव |
| 5 | कृषि में महिलाओं क□ मुख्यधारा में लाने के लिए विस्तार रणनीतियां | 13-15 नवंबर, 2017 | डॉ के. उमा रानी |
| 6 | कृषि निर्यात प्रबंधन हेतु विस्तार (ए पी ई डी ए के साथ सहय□ग में) | 13-16 नवंबर, 2017 | डॉ. के. □ नंद रेड्डी |
| 7 | जलवायु स्मार्□ □ जीविका अवसर क□ बढ़ावा देने हेतु विस्तार रणनीतियाँ | 20-22 नवंबर, 2017 | डॉ. पी.एल. मन□हरी |
| 8 | कृषि पर एच □ र के लिए एम डी पी | 20-23 नवंबर, 2017 | डॉ जी. जया |
| 9 | वित्तीय समेकन, कृषि ऋण एवं फसल बीमा | 27-29 नवंबर, 2017 | डॉ. ए. अमरेन्दर रेड्डी |

## दिसम्बर 2017

| क्र.स□ | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | कृषि पर्य□न एवं कृषि उद्यमिता क□ विस्तार से जा□ड़ना | 4-7 दिसंबर, 2017 | डॉ सरवणन राज |
| 2 | किसान उत्पादक संगठनों क□ बढ़ावा देना : मद एवं चुनौतियां | 5-7 दिसंबर, 2017 | डॉ के.सि. गुम्मग□लमथ |
| 3 | जैवी प्रमाणन प्रबंधन हेतु विस्तार रणनीतियां | 5-7 दिसंबर, 2017 | डॉ. पी.एल. मन□हरी |
| 4 | कृषि मे □ ई सी □ी पर कार्यशाला | 12-13 दिसंबर, 2017 | डॉ वी.पी. शर्मा |
| 5 | कृषि-संस्थान निर्माण के लिए रणनीतियों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला | 14 दिसंबर, 2017 | डॉ जी. जया |
| 6 | कृषि विस्तार में युवाओं की सहभागिता | 18-21 दिसंबर, 2017 | डॉ पी. कनका दुर्गा |

## जनवरी 2018

| क्र.स | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | जैवी प्रमाणीकरण के प्रबंधन के लिए विस्तार रणनीतियां | 3-5 जनवरी, 2018 | डॉ. पी.एल. मनहरी |
| 2 | किसानों क बाजारों से जड़ने के लिए विस्तार रणनीतियां | 8-10 जनवरी, 2018 | डॉ. बी.के. पती |
| 3 | जल प्रबंधन हेतु विस्तार अभिगम | 8-11 जनवरी, 2018 | डॉ बी. रेणुका रानी |
| 4 | रेशम उद्यग की उन्नति हेतु विस्तार प्रबंध अभिगम पर रेशम विस्तार कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम | 8-11 जनवरी, 2018 | डॉ. के. साई महेश्वरी |
| 5 | विस्तार अधिकारियों के लिए लेखन एवं प्रलेखन कौशल | 22-25 जनवरी, 2018 | डॉ. लक्ष्मी मूर्ती |
| 6 | कृषि में मानव संसाधन के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रम | 22-25 जनवरी, 2018 | डॉ जी. जया |
| 7 | कृषि विकास मे भौगलिक सूचना व्यवस्था (जी  ई एस ) एवं रिम सेन्सिंग का उपयग | 22-25 जनवरी, 2018 | श्री जी. भास्कर |

## फरवरी 2018

| क्र.स | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|
| 1 | मत्स्यपालन के क्षेत्र मे विस्तार संबंधी मद एवं चुनौतियां पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 5-6 फरवरी, 2018 | डॉ. एम.ए.करीम और डॉ. शाहजी फंड |
| 2 | कृषि एवं तत्संबंधी क्षेत्रों में  पूर्ती शृंखला प्रबंध के लिए विस्तार कौशल | 5-7 फरवरी, 2018 | डॉ बी. वेंक राव |
| 3 | किसान उत्पादक संगठनों क बढ़ावा देना : मुद्दे और चुनौतियां | 12-14 फरवरी, 2018 | डॉ के.सि. गुम्मगालमथ |
| 4 | छो एवं मझाले किसानों में उचित प्रभाव हेतु विस्तार नवाम्मेषन पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 15-16 फरवरी, 2018 | डॉ सरवणन राज |
| 5 | कृषि ज्ञान प्रबंध | 19-21 फरवरी, 2018 | डॉ के.वेंकेश्वर राव |
| 6 | देसी पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 21-22 फरवरी, 2018 | डॉ एन.बालसुब्रमणि और डॉ के. उमा रानी |

## II. ऑफ कैंस प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाए

| क्र.स | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | स्थान | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | स्थापित महिला कृषि उद्यमियों के लिए कृषि उद्यमिता कौशल विकास हेतु पुनश्चर्या पाठ्यक्रम | 2-5 मई, 2017 | तमिलनाडु | डॉ. के. साई महेश्वरी और परमार्शक |
| 2 | दुग्ध उत्पादनों में मूल्य जाड़ के माध्यम से उद्यमिता विकास के लिए विस्तार अभिगम | 2-5 मई, 2017 | महाराष्ट्र | डॉ. शाहजी फंड और डॉ. एम.ए.करीम |
| 3 | स्थापित कृषिउद्यमियों के लिए माइक्रबियल बाय पेस्िसाईड्स एवं बाय कंन्ट्रल एजेंों का  न-फार्म उत्पादन पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 15-18 मई,2017 | एन ईपीएचएम, हैदराबाद, तेलंगाना | डॉ. सरवणन राज और परमार्शक |
| 4 | पश्चिम बंगाल में कृषि विस्तार के पुनरुद्धार पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | 30 मई, 2017 | समेति, पश्चिम बंगाल | डॉ एन.बालसुब्रमणि |
| 5 | स्थापित कृषिउद्यमियों के लिए  धुनिक कुक्कु पालन प्रबंधन पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 6-9 जून, 2017 | डीपी र, हैदराबाद, तेलंगाना | डॉ. के. साई महेश्वरी और परमार्शक |
| 6 | पशुधन उत्पाद, उत्पादन एवं विपणन में  पूर्ती शृंखला प्रबंध के लिए विस्तार अभिगम | 19-22 जून, 2017 | पंजाब | डॉ. शाहजी फंड और डॉ. एम.ए.करीम |
| 7 | स्थापित कृषिउद्यमियों के लिए कृषि यांत्रिकीकरण पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | जून, 2017 | सीएफएम ई, कयम्बर, तमिलनाडु | डॉ. सरवणन राज और परमार्शक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 8 | उत्तरप्रदेश में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | जून, 2017 | उत्तर प्रदेश | डॉ वी.पी. शर्मा |
| 9 | स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए ग्रामीण उद्यमों पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 4-7 जुलाई, 2017 | एन ई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद | डॉ पी. कनका दुर्गा और परमार्शक |
| 10 | स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए बायोकंट्रोल एजेंट एवं माइक्रोबियल बायोपेस्टिसाइड पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 25-28 जुलाई, 2017 | एन ईपीएच एम, हैदराबाद, तेलंगाना | डॉ. सरवणन राज और परमार्शक |
| 11 | संघर्ष एवं तनाव प्रबंधन | 26-28 जुलाई, 2017 | ओडिशा | डॉ जी. जया |
| 12 | तेलंगाना राज्य में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | जुलाई, 2017 | तेलंगाना | डॉ. एम.ए.करीम |
| 13 | ओडिशा राज्य में कृषि विस्तार व्यवस्था के पुनरुज्जीवन के लिए मार्केलेड विस्तार पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | जुलाई, 2017 | ओडिशा | डॉ. बी.के. पती |
| 14 | हिमाचल प्रदेश राज्य में कृषि विस्तार व्यवस्था के पुनरुज्जीवन के लिए मार्केलेड विस्तार पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | जुलाई, 2017 | हिमाचल प्रदेश | डॉ के.सि. गुम्मगोलमथ |
| 15 | न्ध्रप्रदेश में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | जुलाई, 2017 | ंध्र प्रदेश | डॉ के. उमा रानी |
| 16 | पशुपालन के माध्यम से सतत जीविका हेतु विस्तार प्रबंध | 1-4 अगस्त, 2017 | महाराष्ट्र | डॉ. शाहजी फंड और डॉ. एम.ए.करीम |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 17 | ई -विस्तार: कृषि विस्तार में □ ई सी □ी का उपयो□ | 1-4 अगस्त, 2017 | श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर | डॉ वी.पी. शर्मा |
| 18 | किसान उत्पादक संगठनों क□ बढ़ावा देना : मुद्दे और चुनौतियां | 21-23 अगस्त, 2017 | पामेति, लुधियाना, पंजाब | डॉ के.सि. गुम्मग□मथ |
| 19 | स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए ग्रामीण उद्यो□ों पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 21-24 अगस्त, 2017 | एन□ ई□ रडी एवं पी□ र, हैदराबाद | डॉ पी. कनका दुर्गा और परमार्शक |
| 20 | स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए बागवानी के क्षेत्र में व्यापार अवसर पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 21-24 अगस्त, 2017 | बागवानी कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, पेरियाकुलम, तमिलनाडु | डॉ. के. साई महेश्वरी और परमार्शक |
| 21 | बिहार में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | अगस्त, 2017 | बिहार | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |
| 22 | तमिलनाडु में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | अगस्त, 2017 | तमिलनाडु | डॉ. सरवणन राज |
| 23 | रेशम उद्यो□ हेतु फार्म व्यापार प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | अगस्त, 2017 | एपीएसएस □ रडी□ ई, हिन्दुपुर, □ ंध्र प्रदेश | डॉ. एम.ए.करीम |
| 24 | गुजरात में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | अगस्त, 2017 | गुजरात | डॉ. ए. अमरेन्दर रेड्डी |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 25 | ई -विस्तार: कृषि विस्तार में □ ई सी □ी का उपयाग | 5-8 सितंबर , 2017 | एसकेयूएएस□ी, जम्मू, जम्मू व कश्मीर | श्री जी. भास्कर |
| 26 | स्थापित कृषिउद्यमियों के लिए □ धुनिक कुक्कु□ पालन प्रबंधन पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 18-21 सितंबर , 2017 | डीपी□ र, हैदराबाद | डॉ. सरवणन राज और परमार्शक |
| 27 | स्थापित कृषिउद्यमियों के लिए □ धुनिक डेरी प्रबंधन पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 18-21 सितंबर , 2017 | एनडी□ र□ ई, करनाल, हरियाणा | डॉ. के. साई महेश्वरी और परमार्शक |
| 28 | स्थापित कृषिउद्यमियों के लिए ऋण समर्थन बढ़ाने के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 18-21 सितंबर , 2017 | □एस□ ईपीए □ रडी, हैदराबाद | डॉ पी. कनका दुर्गा और परमार्शक |
| 29 | केरल में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | सितंबर , 2017 | केरल | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |
| 30 | झारखंड में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | सितंबर , 2017 | झारखंड | डॉ. पी.एल. मना□री |
| 31 | छत्तीसगढ़ में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | सितंबर , 2017 | छत्तीसगढ़ | डॉ. एम.ए.करीम |
| 32 | स्थापित कृषिउद्यमियों के लिए ऋण समर्थन बढ़ाने के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 3-6 अक्तूबर, 2017 | □एस□ ईपीए □ रडी, हैदराबाद, तेलंगाना | डॉ पी. कनका दुर्गा और परमार्शक |
| 33 | स्थापित एग्रीप्रेन्यूरों के लिए एग्रीबीजिनेस, कृषि सलाहकारी सेवा तथा मार्के□ लिंकेज पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 4-7 अक्तूबर, 2017 | महाराष्ट्र | डॉ बी. वेंक□ राव और परमार्शक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 34 | स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए बागवानी के क्षेत्र में व्यापार अवसर पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 9-12 अक्तूबर, 2017 | एन ईपीएचपी, पुणे, महाराष्ट्र | डॉ. के. साई महेश्वरी और परमार्शक |
| 35 | मत्स्यपालन विभाग के मध्य स्तरीय विस्तार कर्मियों के लिए "विस्तार प्रबंध अभिगम" पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | अक्तूबर, 2017 | समेति, पश्चिम बंगाल | डॉ. एम.ए.करीम |
| 36 | हरियाणा में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | अक्तूबर, 2017 | हरियाणाा | डॉ. लक्ष्मी मूर्ती |
| 37 | पशुपालन के साथ समेकन पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने के साथ कृषि क्षेत्र के पुनरुज्जीवन के लिए विस्तार सुधार पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | 7 नवंबर, 2017 | गुरू अंगद देव वेरनेरी एंड एनिमल साइंसेस यूनिवर्सिपी, लुधियाना, पंजाब | डॉ. शाहजी फंड |
| 38 | विश्व व्यापार संगठन के तहत कृषि के लिए अवसर खजना | 19-21 नवंबर, 2017 | यूएएस, बेंगलूरू | डॉ के.  नंद रेड्डी |
| 39 | कर्नाक में कृषि विस्तार के पुनरुद्धार पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | 21 नवंबर, 2017 | समेति, बेंगलूरू, कर्नाक | डॉ. एन.बालसुब्रमणि |
| 40 | स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए औषधीय एवं सजावी पौध रमण पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 27-30 नवंबर, 2017 | सी ईएमएपी, लखनऊ, यूपी | डॉ पी. कनका दुर्गा और परमार्शक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 41 | असम में कृषि एवं तत्संबंधी क्षेत्रों में  पूर्ती श्रृंखला प्रबंध के सुधार हेतु विस्तार अभिगम पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | नवंबर, 2017 | असम | डॉ बी. वेंक राव |
| 42 | राजस्थान में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | नवंबर, 2017 | राजस्थान | डॉ जी. जया |
| 43 | महाराष्ट्र राज्य में कृषि विस्तार व्यवस्था के पुनरुज्जीवन के लिए मार्के लेड विस्तार पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | नवंबर, 2017 | महाराष्ट्र | डॉ. बी.के. पती |
| 44 | स्थापित एग्रीप्रेन्यूरों के लिए कृषि उत्पादनों में मूल्य जड़ के लिए अवसरों पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | 4-7 दिसंबर, 2017 | तमिलनाडु | डॉ बी. वेंक राव और परमार्शक |
| 45 | मध्य स्तरीय कृषि विस्तार प्रबन्धकों के लिए नेतृत्व कौशल | 5-7 दिसंबर, 2017 | ओडिशा | डॉ वी.पी. शर्मा |
| 46 | ग्रामीण परिवारों की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा - महिलाओं की भूमिका | 7-9 दिसंबर, 2017 | समेति, पश्चिम बंगाल | डॉ के. उमा रानी |
| 47 | पशु उत्पादनों में मूल्य जड़ के माध्यम से उद्यमिता विकास के लिए विस्तार अभिगम | 18-21 दिसंबर, 2017 | समेति, पश्चिम बंगाल | डॉ. शाहजी फंड और डॉ. एम.ए.करीम |
| 48 | स्थापित एग्रीप्रेन्यूरों के लिए कृषि उत्पादनों में मूल्य जड़ के लिए अवसरों पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम | जनवरी, 2018 | महारष्ट्र | डॉ बी. वेंक राव और परमार्शक |
| 49 | मध्यप्रदेश में कृषि विस्तार के पुनरुज्जीवन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | जनवरी, 2018 | मध्य प्रदेश | डॉ पी. कनका दुर्गा |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 50 | उत्तराखंड राज्य में कृषि विस्तार व्यवस्था के पुनरुज्जीवन के लिए मार्के□ लेड विस्तार पर राज्य स्तरीय कार्यशाला | जनवरी, 2018 | उत्तराखंड | डॉ के.सि. गुम्मगा□लमथ |
| 51 | इन्□रनेशनल स□साइ□ी ऑफ एक्स□ेंशन एड्युकेशन के सहयो□ग में सार्क (SAARC) देशों मे किसानों की □ य क□ दुगुना करने के लिए विस्तार रणनीती पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | मार्च, 2018 | कृषि एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नेपाल | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |

*पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पुष्□ी भागीदारी संस्थानों से लेना बाकि है।

## कार्यक्रम शुल्क**:**

| **विवरण** | **कार्यक्रम शुल्क** |
|---|---|
| देशी भागीदार (निजी, कार्पोर□, एन जी ओ, इत्यादि) | Rs.5,000/- |
| विदेशी भागीदार | US $ 500.- |

## III. फीड द फ्यूचर - भारत त्रिक□णीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफ □ एफ-□ ई □ □)

फीड द फ्यूचर त्रीक□णीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफ □ एफ-□ ई □ □), के अंतर्गत, मैनज वर्ष 2017-18 के दौरान अफ्रीकी एवं □ शिया के कृषि व्यावसायिकों के लिए भारत के विभिन्न शीर्षस्थ कृषि संस्थनों में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का □ य□जन करेगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम मॉड्यूल उन विषयों या उप-क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करेगा जिसमें ऐसे भारतीय संस्थानों क□ चुना जाएगा जहाँ तुलनात्मक रूप से अधिक लाभ प्राप्त ह□ सकता है और यह अश्वासन प्राप्त करना ह□गा कि वे लक्ष्यगत विदेशों की दक्षता कमियों पर प्रभावी रूप से कार्य करेगा।

| क्र.स□ | कार्यक्रम का नाम | दिनाक□ | स्थान | कार्यक्रम स□योजक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | कंद फसलों के लिए उत्पादन एवं फ़सल□परांत तकनीकियों पर एफ □ एफ -□ ई □ □ अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 4-18 अप्रैल, 2017 | □ ईसीए□ र, सें□र ट्यूबर क्रॉप्स रिसर्च इन्स□यू□, तिरुवनंतपुरम, केरल | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |
| 2. | □ धुनिक डेरी तकनीक एवं प्रबंधन पर एफ □ एफ -□ ई □ □ अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 15-29 अप्रैल, 2017 | □ ईसीए□ र-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडी□ र□ ई), करनाल, हरियाणा | डॉ. पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |
| 3. | छ□□ किसानों के लिए फार्म यांत्रिकीकरण पर एफ □ एफ -□ ई □ □ अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 11-25 मई, 2017 | □ ईसीए□ र केंद्रीय कृषि विज्ञान संस्थान सी□ ईएई, भ□पाल, एम.पी. | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |
| 4. | बागवानी फसलों के लिए फ़सल□परांत तकनीकियों पर एफ □ एफ -□ ई □ □ अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 1-15 जून, 2017 | इंडियन इंस्□ट्यू□ ऑफ हॉ□□कल्चर रिसर्च (□ ई□ ईएच□ र), बेंगलूरु, कर्ना□क | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |
| 5. | चावल के फ़सल□परांत तकनीकियों पर एफ □ एफ -□ ई □ □ अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 15-29 जून, 2017 | इंडियन इंस□ट्यू□ ऑफ क्रॉप प्र□सेसिंग □क्न□ॉजी | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | (□ ई□ ईसीपी□ी), तंजावुर, तमिलनाडु | |
| 6. | मत्स्यपालन तकनीकियों में □ धुनिक प्रवृत्तियों पर एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 1-15 जुलाई, 2017 | □ ईसीए□ र-केन्द्रीय मत्स्य प्रौद्य□गिकी संस्थान (सी□ ईएफ□ी), का□ीन, केरल | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |
| 7. | "□ धुनिक कुक्कु□ पालन तकनीकियों एवं प्रबंधन" पर एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 15-29 जुलाई, 2017 | □ ईसीए□ र-कुक्कु□ अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद | डॉ. पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |
| 8. | जल प्रबंधन तकनीकियों में □ धुनिक प्रवृत्तियों पर एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 16-30 अगस्त, 2017 | □ ईसीए□ र-क्रिडा, हैदराबाद, तेलंगाना | डॉ. पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |
| 9. | पौध स्वास्थ्य प्रबंध - की अवधारणा, तकनीकियों और अभिगम पर एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 1-15 सितंबर, 2017 | एन□ ईपीएचएम, हैदराबाद, तेलंगाना | डॉ. पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |
| 10. | कृषि भंडारण में □ धुनिक प्रवृत्तियों पर एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 15-29 सितंबर, 2017 | सी□ ईपीएचई□ी, लुधियाना, पंजाब | डॉ. पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |
| 11. | एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सं -16 के विषय पर स्□कहा□्डरों के परामर्श के बाद निर्णय लेना है। | 1-15 अक्तूबर, 2017 | अभी तय नहीं हु□ | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 12. | एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सं -17 के विषय पर स्□ेकह□ल्डरों के परामर्श के बाद निर्णय लेना है। | 16-30 अक्तूबर, 2017 | अभी तय नहीं हु□ | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |
| 13. | एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सं -18 के विषय पर स्□ेकह□ल्डरों के परामर्श के बाद निर्णय लेना है। | 1-15 नवंबर, 2017 | अभी तय नहीं हु□ | डॉ. पी. चंद्रशेखरा |
| 14. | एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सं -19 के विषय पर स्□ेकह□ल्डरों के परामर्श के बाद निर्णय लेना है। | 15-29 नवंबर, 2017 | अभी तय नहीं हु□ | डॉ. पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |
| 15. | एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सं -20 के विषय पर स्□ेकह□ल्डरों के परामर्श के बाद निर्णय लेना है। | 1-15 जनवरी, 2018 | अभी तय नहीं हु□ | डॉ. पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |
| 16. | एफ □ी एफ -□ ई □ी □ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सं -21 के विषय पर स्□ेकह□ल्डरों के परामर्श के बाद निर्णय लेना है। | 15-29 जनवरी, 2018 | अभी तय नहीं हु□ | डॉ. पी. चंद्रशेखरा और पीएमयू |

## IV. प्रमाणित फसल सलाहकार कार्यक्रम

कृषि के विस्तार पदाधिकारी एवं देश के संबद्ध विभागों के लिए मैनेज विस्तार प्रबंधन कार्यक्रमों का □ याजन □ वश्यकतानुसार करता है। तथापी, यह अनुभव किया गया है कि मैनज के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों क□ राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एन ए □ र एस) से प्राप्त प्रमाणित प्रौद्य□गिकी क□ □ गे बढ़ाने के लिए विस्तार पदाधिकारियों की सहायता करें। अत: □ ई सी ए □ र संस्थान / एस ए यू एवं कृषि एवं तत्संबंधी क्षेत्रों के लिए विस्तार अधिकार के लिए अन्य विशिष□ संस्थानों तीन मॉड्यूल युक्त एक व्यवस्थित प्रणाली के माध्यम से मैनेज एक नया पठ्यक्रम ''प्रमाणिक फसल सलाहकार'' कार्यक्रम क□ प्रारंभ किया।

मॉड्यूल - I: महत्वपूर्ण एवं उभरते हुए क्षेत्रों पर मैनेज द्वारा ई-प्ले□फॉर्म के माध्यम से तीन महीने के लिए क्षेत्र विशिष□ नवीनतम प्रौद्य□गिकीयों एवं प्रबंधन पहलुओं क□ सिखाया जाएगा। अध्ययन सामग्री, □क्स□, पावर पाइ□ एवं वीडिय□ के रूप में ह□गी। मॉड्यूल -I क□ ऑनलाइन प्रदान किया जाता है ताकि कार्यक्रम के लिए नामांकित अधिकारियों क□ अपने नियमित कर्तव्यों में बाधा नहीं ह□। नामंकन के लिए कम्प्यू□र पर कार्यात्मक/ कामकाजी ज्ञान का ह□ना □ वश्यक है।

मॉड्यूल - II: जिन ल□गों ने मॉड्यूल - I क□ पूरा किया है उन्हें 15 दिनों की अवधि के लिए उनके अपने या बाहर के राज्यों में 15 दिनों के लिए गहन विशेष कौशल उन्मुख प्रशिक्षण के लिए चुने गए □ ई सी ए □ र संस्थानों / एस ए यू / विशिष□ स्तर के संस्थानों (पदाधिकारियों, कर्मियों द्वारा अधिमतता प्राप्त विशेषज्ञता एवं □ वश्यकता के □ धार पर) में भेजा जाएगा।

मॉड्यूल - III: मॉड्यूल -II क□ पूर्ण करने के बाद □ वेदक उसके कार्य स्थल पर अपने शिक्षण क□ कार्य क्षेत्र में प्रय□ग करने का प्रयास करेगा। उसी संस्थान से जहाँ उसने मॉड्यूल - II क□ प्राप्त किया है, एक मेन□र वैज्ञानिक द्वारा □ वेदक हैण्डह□ल्डिंग प्रदान किया जाएगा। उसके कार्यक्षेत्र में, फसल/ उद्यम की विशेषज्ञता पर प्राप्त किए गए उसके तकनीकी ज्ञान / कौशल क□ प्रय□ग करते समय जब भी उसे क□ई भी समस्या का सामना करना पड़े □ वेदक क□ तकनीकी मागदर्शन के रूप में हैण्डह□ल्डिंग दिया जाएगा। इससे □ वेदक क□ विशेषज्ञता के व्यावहारिक पहलुओं पर समग्र समझ विकसित करने में सहायता मिलेगी। मॉडयूल - III के समाप्त ह□ने तक, □ वेदक अपने कार्यक्षेत्र की समस्याओं क□ सुलझाने में पर्याप्त रूप से सक्षम ह□ जाएगा एवं किसानों क□ सलाहकारी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम ह□गा।

तीनों मॉड्यूल पूर्ण करने के बाद  वेदक की यो यता का मूल्यांकन विशेषज्ञता के  धार पर किया जाएगा एवं संबंधित  ई सी ए  र एवं अन्य संबद्ध संस्थान एवं मैनेज द्वारा संयुक्त रूप से "प्रमाणित फसल सलाहकार" के रूप में पहचाना जाएगा।

अनुमानित परिणाम: इस कार्यक्रम क पूर्ण करने वाला  वेदक विशेष फसल/ विशेषज्ञता पर उच्च ज्ञान प्राप्त करेगा। "प्रमाणित फसल सलाहकार" के रूप में पहचाने जाने के बाद  वेदकों की सूची अपने वेबसाई पर दर्शाया जाएगा हितधारी इन सलाहकारों के विवरणों क देखकर उनकी सेवाओं का उपयो कर सकें। यह कार्यक्रम एक विभाग के भीतर विभिन्न विषयों/ विशेषज्ञाताओं पर विशेषज्ञों का एक कैडर तेयार करने में सहायता प्रदान करता है ताकि वे किसानों से सामना किए जा रहे श्रेष्ठता समस्याओं का समाधान करने में प्रभावी तकनीकी सलाहकारी सेवा प्रदान करने से युक्त मुख्य दक्षताओं क बढ़ा सकें।

**नाम दर्ज करने हेतु योग्यता:** क ई भी विस्तार अधिकारी एग्रिप्रेन्यूर जसने बी.एस सी (एजी) या तत्संबंधी क्षेत्रों में स्नातक की उपाधि प्राप्त किए है, 55 वर्ष की  यु के ह और कंप्यू र उपयो कर कार्यक्षमता प्राप्त किए है, इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने यो य है।

शुल्क: सरकारी विस्तार कर्मी ज सरकारी विभागों में कार्यरत है के लिए रु.5,000/- शुल्क है और निजी  वेदक कृषि उद्यमी तथा एग्रिप्रेन्यूरों के लिए यह पाठ्यक्रम शुल्क रु.15,000/- प्रति  वेदक हो गा।

## प्रमाणित फसल सलाहकार शैक्षणिक कैलेण्डर

| क्र.स□ | कार्यक्रम का नाम | दिनाक | स्थान | कार्यक्रम सयोजक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | **चावल □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 2. | **दलहन □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-इंडियन इंस्ीट्यू□ ऑफ दलहन, रिसर्च, कानपुर | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 3. | **तिलहन □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | 1. □ ईसीए□ र-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद -ओ□ र- 2. □ ईसीए□ र-मूंगफली अनुसंधान संस्थान, जूनागढ़ | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 4. | **क□ास □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-केन्द्रीय रिसर्च ऑन कॉ□न रिसर्च, नागपुर | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 5. | **बीज तकनीक □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 6. | **फलों □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-सेंट्रल इंस्ि□ट्यू□ फॉर सबट्र□पिकल हॉ□ीकल्चर, लखनऊ | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 7. | **फूलों के फसलों □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-पुष्पकृषि अनुसंधान, निदेशालय, पुणे | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 8. | **□ौध रो□ण फसलों □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-केंद्रीय बागान फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगाड | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 9. | **मसाले के फसलों □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-इंडियन इंस्□ीट्यू□ ऑफ मसाला अनुसंधान, काझीकञ | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 10. | **गाय -भैंस □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-इंस्□ीट्यू□ फॉर रिसर्च ऑन कै□ल, मेरठ, कैं□ | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 11. | **भेड़ □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, जयपुर | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 12. | **मुर्गी□ालन □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-कुक्कु□ अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |
| 13. | **मिलेट □र प्रमाणित फार्म सलाहकारी सेवा का मॉड्यूल -II कार्यक्रम** | 15 दिन | □ ईसीए□ र-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद | डॉ. एन.बालसुब्रमणि और श्रीमती ए. सदालक्ष्मी |

## प्रशिक्षण प्रणाली

प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एवं विस्तार कर्मियों क प्रभावी खिलाड़ी तथा नेताओं के रूप में तैयार करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण विधियों का मिश्रित उपयग किया जाता है।

व्यख्यान, के अलावा केस स डीज तथा सफल कहानी, प्रबंधन खेल, लघुकथा व कथानक, वीडिय फिल्में, समूह अभ्यास व प्रस्तुतीकरणों क भी कार्यक्रमों क अधिक भागीदारी एवं व्यावहारिक बनाने के लिए उपयग किया जाता है। ई सी ए र एवं हैदराबाद में स्थित अन्य संस्थाओं का एक दिवसीय क्षेत्र / संस्थागत दौरे सभी ऑन कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अंतर्भाग है। कृषि में सॉफ स्किल्स, ई सी ी में महिलाओं क एवं जेंडर क मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल है।

## अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

संयुक्त संघ के राष्ट्रपति श्री बेरक ओबामा के नवंबर 2010 का भारत के राज्य दौरे के दौरान वैश्विक खाद्य सुरक्षा से निप ने के लिए हमेशा के लिए हरित क्रांति प्राप्त करने के लिए संयुक्त राज्य संघ एवं भारत के बीच एक नवीन कृषि साझेदारी घषित किया गया। इस प्रयास में अफ्रीका में खाद्य, पषण सुरक्षा संबंधी चुनौतियों क संबधित करेन के लिए तकनीकी प्रगति, क अपनाते हुए, त्रिकणीय सहयग शामिल है।

भविष्य में समस्त अफ्रीकी महाद्वीप में विस्तार करने की क्षमता के साथ तीन अफ्रीकी देशों यथा केन्या, लैबीरिया एवं मलावी पर पईले चरण में ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। इसके फलस्वरुप, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद एवं राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, (नियाम), जयपुर ने केन्या, लैबीरिया एवं मलावी के 219 कार्यकारियों के लिए 7 प्रशिक्षण कार्यक्रमों क या जित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए इन देशों में प्रतिभागियों के सर्वेक्षण का या जन किया गया एवं परिणाम अपेक्षा से भी उच्च रहा। फलस्वरुप, अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र विकास एजेंसी (यू एस ए ई डी) एवं विदेश मंत्रालय (एम ई ए), भारत सरकार ने 17 देशों की पहचान की एवं कार्यक्रमों क फीड द फ्यूचर भारत त्रिकणीय प्रशिक्षण के रूप में नामित किया, जिसका शुभारंभ नई दिल्ली में 25 जुलाई, 2016 क किया गया।

इस कार्यक्रम की अवधि 2020 तक, चरणबदध ंग से अफ्रीका तथा एशिया में 1400 कृषि व्यावसायिकों क प्रशिक्षित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रत्येक में 25 प्रितभागियों के लिए चयनित भारतीय संस्थाओं में बत्तीस 15 दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में  यजित किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम में 50 प्रतिभागियों के लिए अफ्रीकी एवं एशिया में चयनित सहभागी देशों में, 10 दिनों की अवधि के बारह प्रशिक्षण  यजित किये जाऐंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम मॉड्यूल विषय या उप क्षेत्र पर फक्रस करता है जिसमें प्रदर्शित तुलनात्मक लाभ के साथ प्रतिष्ठित भारतीय संस्थाओं का चयन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया गया है एवं यह सुनिश्चित करता है कि लक्षगत देशों की क्षमता की कमियों क प्रभावी रुप से पूरा करेगा। कार्यक्रम के  रंभ से पूर्व मैनेज द्वारा किए गए मांग विश्लेषण के  धार पर लक्षगत देशों की जरुरतों क पूरा करने के लिए इस एप्रा घ का डिजाइन बनाया गया है। वर्ष 2017-18 के दौरान कुल 18 एफ ी एफ -  ई ी ी कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं।

## सरकारी स्कीमों का कार्यान्वयन

भारत सरकार के निम्नलिखित स्कीमों क लागू करने मैं मैंनेज शामिल है:

## विस्तार सुधार

राज्यों में कृषि विस्तार क पुनर्जीवित करने के लिए, विस्तार प्रणाली क विकेन्द्रीकृत एवं माँग-चालित बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्राय जित "विस्तार सुधार के लिए राज्य विस्तार कार्यक्रमों का समर्थन" या जना कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार का एक पहल है। जिला / ब्लॉक स्तर पर पुनर्गठित स्वायत्त निकायों के साथ नई संस्थागत व्यवस्थाओं के माध्यम से देश भर में कृषि सुधार क लागू करने पर या जना ध्यान केन्द्रित यह कर रहा है ज लचीला, बॉ म-अप एवं सार्वजनिक निजी भागीदारी क बढ़ावा देता है। देश के सभी जिलों में इस स्कीम क  रंभ किया गया है।

चयनित जिलों के लिए रणनीतिक अनुसंधान व विस्तार या जना का विकास, राज्य विस्तार कार्य या जना (एस ई डब्ल्यू पी) एवं एस  र ई पी का परिचालन और कृषि प्रौद्य गिकी प्रबंधन एजेसियों क लागू करने में राज्य कृषि विश्वविद्यालय सहित कृषि एवं संबंद्ध विभागों के अधिकारियों के लिए विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों क  यजित करने के द्वारा इस स्कीम के कार्यान्वयन में मैनेज सहायता करता है।

## एग्रि क्लीनिक एव□एग्रि बिजिनेस केंद्र योजना (एसी व एबीसी)

कृषि उद्यमी के व्यापार नमूनों के अनुसार मुफ्त/□ दायगी के □ धार पर किसानों क□ विस्तार तथा अन्य सेवाओं क□ प्रदान करने के द्वारा सरकारी विस्तार द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रयासों का अनुपूरण करना, स्थानीय □ वश्यकताओं तथा किसानों के लक्ष्यगत करना, कृषि विकास क□ समर्थन देना; तथा बेरा□जगार कृषि तथा संबंधित स्नातकों, कृषि डिप्ला□मा धारकों, कृषि में पास हुए इं□रमीडिये□ तथा जैव विज्ञान स्नातक सहित कृषि संबंधित पाठ्यक्रमों में स्नातका□तर क□ स्वरा□जगार के अवसरों का सृजन करने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2002 के दौरान एग्रि क्लीनिक एवं एग्रि बिजिनेस केंद्र या□जना (एसी व एबीसी) का □ रंभ किया।

फसलों एवं पशुओं की उत्पादकता एवं लाभप्रदाता क□ बढ़ावा देने के लिए एग्री-क्लनिक किसानों क□ विशेषज्ञ सेवाएँ एवं सलाह प्रदान करता है। एग्री-बिजिनेस किसान के लिए इन्पु□ सपलाई एवं अन्य □ वश्यक समर्थन प्रदान करता है।

मैनेज क□ प्रशिक्षणों के संचालन तथा या□जना के तहत चुने गए कृषि व्यावसायिकों क□ हैंड हा□ल्डिंग सहायता करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। सभी राज्यों क□ कवर करते हुए देश भर के 71 ना□डल प्रशिक्षण संस्थानों (एन.□ी.□ ई) के ने□वर्क के माध्यम से ना□डल कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में मैनेज 2 महीने का मुफ्त □ वासीय प्रशिक्षण प्रदान करता है। नाबार्ड के माध्यम से स□ार्□अप ऋण तथा क्रेडि□ लिंकेड बैंक एंडेड कंपेसि□ सब्सिडी क□ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा एक बाजार सर्वेक्षण □ धारित विस्तृत परिया□जना रिपा□ (डी पी □ र) तैयार कर बैंक□ में प्रस्तुत करने के साथ प्रशिक्षण का समापन हा□मा है। प्रशिक्षण के बाद कृषि उद्यमों क□ स्थापित करने के लिए एक वर्ष का हैंडहा□ल्डिंग समर्थन प्रदान किया जाता है। रियायत प्राप्त करने हेतु या□जना के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्तिगत परिया□जना लागत रु. 20.00 लाख है तथा 5 सदस्यों के समूह परिया□जना की लगात सीमा रु. 100.00 लाख है। सामान्य वर्ग के □ वेदकों के लिए सब्सिडी कुल वित्तीय परिव्यय का 36% है, तथा महिला □ वेदकों/ अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति लाभार्थियों  तथा उत्तर पूर्वी पहाड़ी राज्यों के □ वेदकों के लिए 44 प्रतिशत है। इस स्कीम के सभी हितधारकों क□ लाभान्वित करने के लिए मैनेज मासिक ई-बुलेि□न "कृषिउद्यमी" प्रकाशित करता है। कृषि उद्यमियों के लिए सलाहकारी सेवा समर्थन प्रदान करने के लिए एक □ा□ फ्रि हेल्प लाईन नं. 1800 425 1556 प्रारंभ किया गया है। इस स्कीम से लाभ प्राप्त करने वाले इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए www.agriclinics.net देख सकते हैं।

## किसान कॉल सेंटर (केसीसी)

किसान कॉल सें□र के माध्यम से तकनीकी सलाह प्राप्त करने के लिए देश का काई भी किसान □□ फ्री नंबर पर कॉल कर सकता है। विपणन सूचना सहित किसानों के तकनीकी एवं कृषि प्रबंधन पर एक □□ फ्री □लीफा नं. 1800-180-1551 के माध्यम से देश भर के किसानों क□ सूचना एवं सलाहकारी समर्थन प्रदान करने के लिए जनवरी 2004 क□ भारत सरकार द्वारा इस स्कीम की शुरू□ त की गई थी।

□ ज तक इस प्रकार के 25 केंद्र देश भर के विभिन्न राज्यों में कार्यरत हैं। के सी सी तीन स्तरों पर कार्य करता है। स्तर - I पर कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्र के स्नातक किसानों के कॉल का उत्तर देते हैं, स्तर - II पर विषय विशेषज्ञ किसानों के शंकाओं का समाधान करते हैं जिनक□ उत्तर स्तर - I पर प्राप्त नहीं ह□ सके। स्तर - III पर भारत सरकार का एक तकनीकी संस्थान स्तर -I एवं स्तर - II के समर्थन एवं तकनीकी बैकस□ॉपिंग का समन्वय करते हैं। तेलंगाना एवं □ ंध्र प्रदेश राज्यों के लिए मैनेज स्तर तीन पर है तथा स्तर - I व स्तर - II के सलाहकारों के क्षमता निर्माण के लिए विस्तार अनुभाग का एक नाडल एजेंसी भी है।

## प्रबंध शिक्षा

बढ़ती हुई कृषि, संबद्ध एवं कृषि व्यवसाय की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षित तकनीकी - प्रबंधकों की बढ़ती माँग क□ पूरा करने के उद्देश्य से लिए मैनेज ने निम्नलिखित शिक्षण कार्यक्रमों की शुरू□ त की है।

## स्नातकोत्तर प्रबध डिप्लोमा (कृषि व्या□ार प्रबध) □ीजीडीएम (एबीएम)

कृषि व्यापर क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों से निप□ने के लिए एग्री-बिजिनेस क□ क्षेत्र तकनीकी एवं प्रबंधकीय इनपु□ों से युक्त प्रबंधकों की □ वश्यकता है। इस □ वश्यकता की पूर्ति के लिए, सेक□□ल पाठ्यक्रमों के अलावा कृषि व्यापार प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, उद्मिता विकास एवं वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्रों में सराहनीय कृषि स्नातकों क□ शिक्षा प्रदान करने हेतु मैनेज ने द□ वर्षीय स्नातकात्तर प्रबंधन (एग्री व्यापार प्रबंध) (पीजीडीएम (एबीएम) का शुभारंभ किया। 1996 में प्रारंभ किया गया यह कार्यक्रम तकनीकी शिक्षा के अखिल भारतीय परिषद (ए □ ई सी □ी ई) एवं एन बी ए द्वारा मान्यता प्राप्त है। इस कार्यक्रम में छात्रों का प्रवेश कै□ (CAT) का स्का□, समूह चर्चा एवं साक्षात्कार □ धारित हा□ा है। पिछले कुछ वर्षों से प्रारंभ से अब तक 100 प्रतिशत प्लेसमें□ क□ प्राप्त करते हुए कृषि वयापार के क्षेत्र में उच्च श्रेणी के कार्यक्रम के रूप में इस कार्यक्रम क□ मान्यता प्राप्त है एवं उद्या□, शिक्षा एवं छात्र समुदाय द्वारा प्रशंसनीय रहा। एस□सिएशन

ऑफ इन्डियन यूनिवर्सि□ीस ने पी जी डी एम (एबीएम) क□ एक भारतीय विश्वविद्यालय के एम बी ए साथ समकक्षता दी है।

## स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंध डिप्लोमा (□ीजीडीएईएम)

सेवारत विस्तार पदाधिकारियों के ज्ञान एवं तकनीकी प्रबंधकीय दक्षता क□ उन्नत करने के लिए दूरस्थ शिक्षा म□ड पर 2007 में मैनेज ने एक वर्षीय स्नातक□त्तर कृषि विस्तार प्रबंध डिप्ल□मा कार्यक्रम का प्रारंभ किया। इस प्रकार के कार्यक्रम का □ रंभ देश में पहली बार केन्द्र, राज्य एवं केन्द्र शासित राज्यों में कार्यरत कृषि एवं संबद्ध विभागों के विस्तार पदाधिकारियों एवं कृषि व्यापार कंपनी, एन जी ओ, सहकारी समितियाँ, किसान संगठन, कृषि-उद्यमी, इनपु□ डीलर □ दि के लिए किया गया है।

## निवेश डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवा डिप्लोमा (देसी)

कार्यरत इनपु□ डीलरों क□ कृषि विस्तार क्षेत्र के तकनीकी पहलुओं पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने के लिए 2003 में देसी कार्यक्रम क□ लागू किया गया। विभिन्न इनपु□ों के विक्रय में लगभग तीन लाख निजी इनपु□ डीलर जुड़े हुए हैं जैसे बीज, उर्वरक एवं की□नाशक इत्यादि। कृषि ज्ञान के संदर्भ में उनकी क्षमता क□ उन्नत करने एवं उन्हें परा-एक्स□न्शन वर्कर में परिवर्तित करने लिए इस एक वर्षीय डिप्ल□मा कार्यक्रम का प्रारंभ किया जात है। स्थानीय बाजार की छु□□यों पर 48 कक्षाओं के साथ "कॉन्□क□ क्लास-सह-दूरस्थ शिक्षा म□ड" पर इस कार्यक्रम का □ य□जन किया जाता है। वर्तमान में इस कार्यक्रम का कार्यान्वयन □ ंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, झारखंड, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल में ह□ रहा है। पैरा एक्स□शन वर्कर में परिवर्तित करने के लिए इनपु□ डीलरों के अभ्यास में कृषि पर स्थानीय विशिष□ तकनीकी ज्ञान क□ प्रदान करने पर देशी कार्यक्रम फ□कस करता है। 40 दिनों के कक्षा सत्रों एवं 08 क्षेत्रीय दौरों के साथ "कॉन्□क□ क्लास-सह-दूरस्थ शिक्षा म□ड" पर बाजार की छुट्□ी/ रविवार क□ इस कार्यक्रम का संचालन किया जाता है। शुरू में, यह कार्यक्रम स्व-वित्तपोषण के □ धार पर 20,000/- के पाठ्यक्रम शुल्क के साथ प्रारंभ किया गया है। इस कार्यक्रम के महत्व क□ पहचानते हुए इनपु□ डीलरों की विशाल संख्या क□ कवर करने के लिए पाठ्यक्रम शुल्क 50 प्रतिशत य□गदान के साथ केन्द्र क्षेत्र की य□जना स्कीम के अंतर्गत भारत सरकार ने देसी क□ प्रारंभ किया। मैनेज के पूर्ण सहय□ग से साथ समेती के माध्यम से इस कार्यक्रम क□ लगू किया जा रहा है।

## विस्तार शिक्षा के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए इंटर्नशिप :

विस्तार शिक्षा के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए मैनेज 1 अप्रैल, 2017 से तीन महीने की इंटर्नशिप कार्यक्रम को प्रारंभ किया है। इंटर्नशिप कार्यक्रम छात्रों को विस्तार शिक्षा में वर्तमान में विकसित विषयों को सीखने के लिए प्रारंभ किया है। अवसर देता है, मूल्यवान अनुप्रयोगिक अनुभव प्राप्त करने एवं कृषि विस्तार हित-धारकों के बीच में व्यवसायी नेटवर्क विकसित करने के लिए सुविधा देता है। रोचक एवं नवोन्मेशी अनुसंधान करने वाले छात्रों के लिए ज्ञान का समर्थन प्रदान करना, अल्पकालिक सामयिक अनुसंधान करने के लिए अवसर देना विस्तार छात्रों में व्यावसायिक उत्साह बढ़ाना एवं भारत सरकार की स्कीमों को व्यावहारिक ज्ञान एवं जानकारी प्रदान करना इस इंटर्नशिप का उद्देश्य है। विस्तार शिक्षा में एम एस सी / पी एच डी कर रहे छात्रों के लिए यह इंटर्नशिप शुरू किया गया है। आवेदक एम एस सी द्वितीय वर्ष या पी एच डी का छात्र होना चाहिए। चयनित छात्रों को रू.10.000/- की मासिक छात्रवृत्ति दिया जाएगा एवं मैनेज, हैदराबाद में रहने एवं खान-पान की व्यवस्था प्रदान की जाऐगी। इस इंटर्नशिप में हर वर्ष अधिकतम 10 छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए, नियम व शर्तें और आवेदन पत्र जमा करने के लिए, कृपया मैनेज वेबसाइट www.manage.gov.in देखें।

## अनुसंधान एवं सलाहकरी

कृषि विस्तार प्रबंधन, एच आर डी, आई सी टी, जेंडर मुद्दे एवं कृषि विपणन के अनुशासन में समकालीन प्रासंगिकता के विषय पर मैनेज में अनुसंधान व्यापक रूप से फोकस करता है। एक सीमित स्तर पर एवं एक सीमित क्षेत्र में विचारों/ अवधारणों/ प्रौद्योगिकियों के पाइलट-परीक्षण के लिए एक्शन रीसर्च एक प्रमुख दृष्टिकोण है। विभिन्न कार्यक्रमों/ योजनाओं के मुल्यांकन के लिए परामर्शी सेवा के आधार पर, भारत सरकार/ राज्यों अन्य संगठनों के अनुरोध पर मैनेज मूल्यांकन अध्ययन को भी चलाता है। कृषि एवं संबंध विभागों/ एजेंसियों को उनके अनुरोध पर रणनीतियों एवं कार्यक्रमों को विकसित करने के लिए परामर्शी सेवा प्रदान की जाती है।

## कैम्पस

शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास की उन्नति के लिए विशाल लॉन एवं एक शांत माहौल के साथ सुसज्जित रुप से मैनेज कैम्पस का डिजाइन किया गया है। शिक्षण कमरे, संकाय कमरे, सम्लेन कक्ष, पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर सेंटर एवं खेलकूद सुविधा सहित मैनेज में सुसज्जित ब्लॉक्स हैं। सुविधा युक्त अध्ययन के माहौल का सृजन करने के लिए नवीनतम दृष्य-श्रव्य उपकरण सहित शैक्षिक कमरे एवं सम्मेलन हॉल सुसज्जित है। कैम्पस में सक्षम वाई-फाई की व्यवस्था है।

इसमें विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों के संकाय, प्रतिभागियों एवं छात्रों द्वारा  पस में जुड़ने एवं ज्ञान एवं सूचना क बाँने के लिए विडीयों कॉफरेसिंग सहित सर्वोत्तम सूचना एवं संचार प्रा द्य गिकी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों के पुस्तक, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ, डे ाबेस, वीडियों एवं सीडी का एक विशिष संग्रह है। मैनेज अपनी वेबसाइ  www.manage.gov.in के माध्यम से सूचना का प्रसार करता है।

मैनज कैम्पस में प्रतिदिन प्रात: काल में प्रतिभागियों एवं छात्रों के लिए या ा की कक्षाएं चलती हैं।

## प्रकाशन

कृषि विस्तार प्रबंधन जर्नल (द्वि वार्षिक) विशेषज्ञों द्वारा समीक्षित एक जर्नल हैं जिसमें कृषि विस्तार प्रबंध के क्षेत्र में नवीनतम शा ध हा ों, मैनेज बुले न संस्थागत क्रियाकलापों पर एक समाचार पत्रिका हैं, विस्तार डाइजेस वर्तमान विषय पर नवीनतम जानकारी का एक संश्लेषण है, स्पाइस पी जी डी एम (एबीएम) का एक समसचार पत्र है एवं कृषि उद्यमी कृषि उद्यमिता विकास पर एक ई-बुले न है।


अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

**श्रीमती वी. उषा रानी,** भा.प्र.से.,

महानिदेशक

**राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबध सस्थान (मैनेज)**

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का संगठन)

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030, तेलंगाना, भारत.

फा नं.: +91 (0) 40 24015253 फैक्स नं.: +91 (0) 40 24015388

वेबसाइ : www.manage.gov.in